

2024-25 वार्षिक रिपोर्ट

राजुल दिव्यांगजन
उत्थान समिति

☎ 8889829433

✉ rajulvds2010@gmail.com

📍 राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति, अरिहंत विहार फेज-3,
सी-54 वार्ड नंबर 4, जिला विदिशा मध्य प्रदेश 464001

विदिशा
अध्यक्ष
राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

विषय-सूची

- कार्यकारी सारांश
- अध्यक्ष का संदेश
- लक्ष्य
- एक वर्ष की समीक्षा
- कार्यक्रम- मुख्य बातें
- वित्तीय परिव्यय
- परिणाम
- भविष्य के लक्ष्य
- निष्कर्ष

विनिमय
अध्यक्ष
समुद्र विभाजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यकारी सारांश

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति, विदिशा, मध्य प्रदेश, भारत में स्थित एक गैर-सरकारी संगठन है, जो विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास विशेष विद्यालय और छात्रावास का संचालन करते हुए, समिति बौद्धिक विकलांगता, बहु विकलांगता, सेरेब्रल पाल्सी, श्रवण और वाक् दोष, और दृष्टि दोष सहित विभिन्न विकलांगताओं वाले बच्चों और वयस्कों को शिक्षा और सहायता प्रदान करती है।

यह संगठन दिव्यांगजन को शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों की पेशकश करके उन्हें मुख्यधारा के समाज में एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करता है। उनके प्रयासों में घर पर छोटे पैमाने के उत्पादों के निर्माण की सुविधा प्रदान करना, सरकारी और गैर-सरकारी सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना और सामाजिक समावेश को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करना शामिल है। समिति छात्रों को प्रोत्साहित करने और एक सहायक वातावरण बनाने के लिए विश्व विकलांगता दिवस जैसे आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लेती है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजन के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना है। अपनी पहलों के माध्यम से, राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति दिव्यांगजन को गरिमा के साथ बेहतर जीवन जीने और समुदाय में सार्थक योगदान करने में सक्षम बनाने का प्रयास करती है।

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समर्पित है। इस वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2023-2024 के दौरान समिति द्वारा किए गए कार्यों, प्राप्त लक्ष्यों और वित्तीय स्थिति का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस वर्ष, समिति ने शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और सामाजिक समावेश जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमने नए कार्यक्रम शुरू किए, मौजूदा कार्यक्रमों को सुदृढ़ किया और अधिक दिव्यांग व्यक्तियों तक अपनी पहुंच बनाई। वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता बनाए रखते हुए, हमने सीमित संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए। भविष्य में, हम अपनी गतिविधियों का विस्तार करने और दिव्यांग समुदाय के लिए अधिक अवसर और सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विदिशा
अध्यक्ष
राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

अध्यक्ष का संदेश

प्रिय सम्मानीय समुदाय के सदस्यगण,

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति के हृदय से, मैं, आपकी अध्यक्ष, एक हार्दिक और गंभीर संदेश प्रेषित करती हूँ। हमारा संगठन हमारे दिव्यांग भाई-बहनों में निहित दृढ़ता और असाधारण क्षमता का प्रमाण है। हम एक अद्वितीय दृष्टिकोण से प्रेरित हैं: एक ऐसे सच्चे समावेशी समुदाय का निर्माण करना जहाँ प्रत्येक व्यक्ति, अपनी क्षमताओं से परे, गरिमा और अटूट सम्मान के साथ विकसित हो सके।

दिव्यांगजन द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ अक्सर शारीरिक सीमाओं से परे होती हैं, जिनमें निहित सामाजिक दृष्टिकोण, पहुँच संबंधी लगातार मुद्दे और अवसरों में असमानताएँ शामिल हैं। यह हमारी साझा जिम्मेदारी है कि हम इन बाधाओं को सहानुभूति, गहरी समझ और हमारे समुदाय के हर स्तर पर सक्रिय जुड़ाव के साथ दूर करें।

दिव्यांगजन उत्थान समिति केवल एक संगठन से कहीं अधिक है; यह एक घनिष्ठ परिवार, अटूट समर्थन का एक मजबूत नेटवर्क और परिवर्तनकारी परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली मंच है। उद्देश्य में एकजुट होकर, हम एक ऐसे समुदाय का निर्माण कर सकते हैं जहाँ प्रत्येक व्यक्ति गहराई से मूल्यवान महसूस करे, वास्तव में सशक्त हो, और अपनी पूर्ण और अद्वितीय क्षमता को साकार करने का निर्बाध अवसर प्राप्त करे।

मुझे हमारी सामूहिक कार्रवाई की परिवर्तनकारी शक्ति पर अपार विश्वास है। आइए हम इस महत्वपूर्ण यात्रा को नए दृढ़ संकल्प, अटूट प्रतिबद्धता और हमारे मानव परिवार के प्रत्येक सदस्य के अंतर्निहित मूल्य और निर्विवाद गरिमा में स्थायी विश्वास के साथ जारी रखें।

गहरी कृतज्ञता और अटूट आशा के साथ,

विनीता जैन

अध्यक्ष,

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति

विनीता जैन
अध्यक्ष

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

लक्ष्य

- सशक्तिकरण: दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए ऊपर उठाना और सशक्त बनाना।
- सामाजिक समावेश: समझ को बढ़ावा देकर और बाधाओं को तोड़कर दिव्यांगजन को मुख्यधारा के समाज में एकीकृत करना।
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास विशेष विद्यालय और छात्रावास के माध्यम से विभिन्न विकलांगताओं वाले बच्चों और वयस्कों को व्यापक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- कौशल विकास: आत्मनिर्भरता और रोजगार के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल निर्माण प्रदान करना।
- जागरूकता सृजन: दिव्यांगजन की क्षमताओं और अधिकारों के बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना, सहानुभूति को बढ़ावा देना।
- संसाधन पहुंच: प्रासंगिक सरकारी और गैर-सरकारी संसाधनों और योजनाओं तक पहुंच को सुगम बनाना।
- समग्र विकास: शैक्षिक, व्यावसायिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देना।
- अधिकार वकालत: दिव्यांगजन के अधिकारों का समर्थन करना और समावेशी नीतियों की वकालत करना।
- सहायक वातावरण: एक पोषण और समावेशी वातावरण बनाना जहाँ दिव्यांगजन मूल्यवान और सशक्त महसूस करें।

विनिता जी
अध्यक्ष

राष्ट्रिय दिव्यांगजन उत्थान समिति
बिदिशा (म.प्र.)

लक्ष्य

- स्वतंत्र जीवन: दिव्यांगजन को अपने समुदायों के भीतर अधिक स्वतंत्रता के लिए कौशल और सहायता से लैस करना।
- एकीकरण फोकस: सामाजिक जीवन के सभी पहलुओं में दिव्यांगजन के निर्बाध एकीकरण की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना।
- क्षमता निर्माण: प्रशिक्षण और सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से दिव्यांगजन और उनके परिवारों की क्षमताओं को बढ़ाना।
- सामुदायिक जुड़ाव: दिव्यांगजन के उद्देश्य का समर्थन करने में व्यापक समुदाय को सक्रिय रूप से शामिल करना।
- सकारात्मक दृष्टिकोण: दिव्यांगजन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और मौजूदा पूर्वाग्रहों को चुनौती देना।
- समान अवसर: शिक्षा, रोजगार और सामाजिक भागीदारी में दिव्यांगजन के लिए समान अवसरों के लिए प्रयास करना।

विजया वैरा
अध्यक्ष

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

एक वर्ष की समीक्षा

वर्ष 2024-2025 समिति के लिए सक्रिय और प्रगतिशील रहा। हमने अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए।

विदिशा जिले में सक्षम मध्य भारत प्रांत द्वारा दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती देवी के सम्मान के साथ हुई और इसमें जिला सक्षम विदिशा द्वारा विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा शामिल थी। चर्चाओं में दिव्यांगजन द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों, बेहतर सुविधाएं और संसाधन प्राप्त करने के लिए सरकारी और प्रशासनिक निकायों तथा दिव्यांग संगठनों के साथ सहयोग, और आपसी सहयोग के माध्यम से उनके उत्थान और विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन कल्याण विभाग के अधिकारियों ने सक्षम के प्रमुख सदस्यों के साथ अपने विचार साझा किए।

अलग से, 4 जनवरी, 2025 को, जिला सक्षम विदिशा और दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास विशेष विद्यालय ने लुई ब्रेल की जयंती को विश्व ब्रेल दिवस के रूप में मनाया। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन विभाग के अधिकारियों, फिजियोथेरेपिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ताओं, दिव्यांगजन, छात्रों और अभिभावकों ने ब्रेल के महत्व और दृष्टिबाधित व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। अधिक सामाजिक समावेश के लिए अपील की गई।

इसके अलावा, 4 जनवरी, 2025 को, राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति के तहत और नेशनल ट्रस्ट, नई दिल्ली द्वारा समर्थित दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास कॉलेज ने "बढ़ते कदम" जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में बौद्धिक विकलांगता, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म और बहु विकलांगता वाले व्यक्तियों की जरूरतों पर प्रकाश डालते हुए, बढ़ते कदम, निरामया, कानूनी अभिभावकत्व और दिशा जैसी राष्ट्रीय न्यास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्ट, सामाजिक न्याय अधिकारियों, संगठन के प्रमुख, कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों ने भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, महिला जैन मिलन अरिहंत विहार ने दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास छात्रावास में रहने वाले दिव्यांग बच्चों को सर्दियों के कपड़े वितरित किए, जिससे उनके कल्याण के लिए सामुदायिक समर्थन का प्रदर्शन हुआ।

विनिता देवी
अध्यक्ष
राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस:

विदिशा जिले में सक्षम मध्य भारत प्रांत की ओर से दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें सरस्वती जी पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए जिला सक्षम विदिशा द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई एवं शासन एवं प्रशासन व दिव्यांग संस्थाओं के माध्यम से आने वाली समस्याओं उनके लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं व संसाधन कैसे जुटाए जाएं जिससे समाज में एक साथ परस्पर सहयोग से उनके उत्थान व विकास हो सके मुख्य रूप से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से समग्र सुरक्षा अधिकारी विस्तार अधिकारी एवं सक्षम के सचिव अध्यक्ष कोषाध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारी गण द्वारा अपने-अपने विचार प्रकट किया आभार अंत में सक्षम के सह सचिव ने प्रकट किया।

इस मंच पर चर्चा से दिव्यांगजनों के लिए बेहतर सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों को जुटाने के लिए प्रभावी रणनीतियाँ विकसित की जा सकती हैं। इसमें सरकारी योजनाओं, सामुदायिक समर्थन और अन्य संभावित स्रोतों पर विचार किया जा सकता है।

इस प्रकार के आयोजन समाज में दिव्यांगजनों के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं और उनके प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में मदद करते हैं।

परस्पर सहयोग पर जोर दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने और उनके पूर्ण विकास के लिए एक सहायक वातावरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

HIGHLIGHTS

सक्षम मध्य भारत प्रांत की ओर से दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें



विदिशा। जिले में सक्षम मध्य भारत प्रांत की ओर से दिव्यांग सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें सरस्वती जी पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए जिला सक्षम विदिशा द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई एवं शासन एवं प्रशासन व दिव्यांग संस्थाओं के माध्यम से आने वाली समस्याओं उनके लिए बेहतर से बेहतर सुविधाएं व संसाधन कैसे जुटाए जाएं जिससे समाज में एक साथ परस्पर सहयोग से उनके उत्थान व विकास हो सके मुख्य रूप से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से समग्र सुरक्षा अधिकारी विस्तार अधिकारी एवं सक्षम के सचिव अध्यक्ष कोषाध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारी गण द्वारा अपने-अपने विचार प्रकट किया आभार अंत में सक्षम के सह सचिव ने प्रकट किया।

विदिशा
अध्यक्ष
उत्थान दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

सक्षम मध्य भारत प्रांत द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य ध्यान विदिशा जिले में दिव्यांगजन के सशक्तिकरण के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा करना था। प्रमुख चर्चाओं में विकलांग व्यक्तियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों की पहचान करना और सरकार, प्रशासन और दिव्यांग संगठनों के बीच सहयोग के माध्यम से बेहतर सुविधाओं और संसाधन जुटाने के लिए रणनीति बनाना शामिल था। इसका उद्देश्य उनके उत्थान और विकास के लिए आपसी सहयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में जिला सक्षम विदिशा द्वारा की गई पहलों की गहन समीक्षा के लिए समर्पित था। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन कल्याण विभाग के अधिकारियों और विभिन्न दिव्यांग संगठनों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों ने सक्रिय रूप से चर्चाओं में भाग लिया। केंद्रीय ध्यान जिले के भीतर दिव्यांगजन द्वारा सामना की जाने वाली लगातार चुनौतियों की पहचान करने पर केंद्रित था। इसके अलावा, चर्चाओं में सरकार, प्रशासनिक निकायों और समर्पित दिव्यांग संस्थानों के बीच प्रभावी सहयोग के तरीकों का पता लगाया गया। अंतिम उद्देश्य बेहतर सुविधाओं और संसाधनों को सुरक्षित करने के लिए रणनीतियां तैयार करना था। व्यापक लक्ष्य एक ऐसे समाज को बढ़ावा देना था जहां आपसी सहयोग दिव्यांगजन के समग्र उत्थान और व्यापक विकास का मार्ग प्रशस्त करे, जिससे समुदाय में उनकी पूर्ण भागीदारी और एकीकरण सुनिश्चित हो सके।

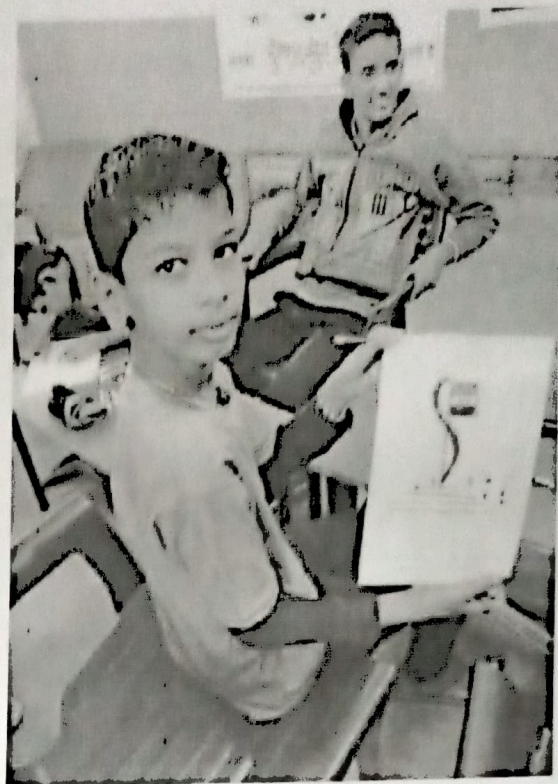
विनिता जी
अध्यक्ष
समग्र दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

HIGHLIGHTS



विनिता देवी
अध्यक्ष

राजुल दिवांगमन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)



दिव्यांग लोगों को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना: दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर विदिशा विशेष विद्यालय समय-समय पर विभिन्न खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जिसमें प्रत्येक दिव्यांग व्यक्ति की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और बच्चे इन गतिविधियों में अधिकाधिक रूप से शामिल होते हैं और सांस्कृतिक एवं खेल प्रतिभागी बनते हैं। और विशेष ओलंपिक में भी भाग लेते हैं। और 3 दिसंबर को विश्व विकलांगता दिवस पर, दिव्यांग छात्र विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं और पुरस्कार प्राप्त करते हैं और बच्चों के माता-पिता का समर्थन भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संगठन द्वारा बच्चे को प्रोत्साहित भी किया जाता है और दिव्यांग बच्चों के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाया जाता है। और इसका प्रभाव समाज में दिव्यांग लोगों के प्रति आकर्षण और भावनात्मकता पैदा करता है। यह गतिविधि उनके आत्मविश्वास को मजबूत करने का कार्य करती है।

दिनीश फार
अध्यक्ष

बहुम दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

विदुर की नीति

सामाजिक न्याय अधिकारीत मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ट्रस्टनई दिल्ली के माध्यम से

राज्यल दिव्यांगजन उत्थान समिति के अंतर्गत संचालित दीक्षा निवेशन कॉलेज छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर में



National Trust Presents

बहुते कार्यक्रम कार्यक्रम में आप सभी का हार्दिक स्वागत है

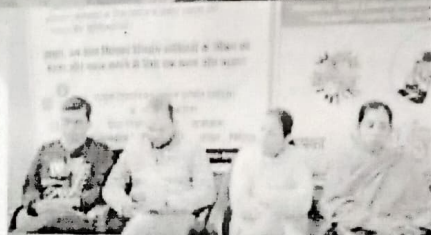
कार्यक्रम में भाग लें और जानें :

- National Trust की प्रमुख योजनाओं का लाभ कैसे उठाएं।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समाज में समाज अवसर और सम्मान कैसे सुनिश्चित करें।

आइए, हम साथ मिलकर दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बेहतर और सहज बनाने के लिए एक कदम और बढ़ाएं।



राज्यल दिव्यांगजन उत्थान समिति विदिशा के अंतर्गत संचालित दीक्षा निवेशन कॉलेज छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर, विदिशा



विदिशा। सामाजिक न्याय अधिकारीत मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ट्रस्टनई दिल्ली के माध्यम से राज्यल दिव्यांगजन उत्थान समिति के अंतर्गत संचालित दीक्षा निवेशन कॉलेज छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर में सरस्वती जी के चित्र पर मान्यतापूर्ण कर कार्यक्रम की शुरुआत बहोते कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन में प्रारंभ किया गया जिसमें की नेशनल ट्रस्ट की योजनाओं जिसमें मुख्य रूप से बहुते कार्यक्रम विभिन्न स्वीकार्यताओं विदिशा एवं नेशनल ट्रस्ट द्वारा चार दिवसीय कक्षाओं जिसमें सामाजिक परिवर्तनमें प्रचलित पालमी ऑरिजन बहो विद्वत्ता के ऊपर प्रकाश डाला गया जिसमें की डॉक्टर अनिल जैन जी आलोच जैन परिवर्तनमें विदिशा की बहोतु जी सामाजिक न्याय विभाग में समाज सुधार विभाग अधिकारी श्रीमती रत्ना जी श्रीमती नारायण जी राज्यल परिवर्तन की बहोतु जी एवं समाज प्रमुख अस्थित समाजसेवी श्रीमती स्मिता जी बहोतु श्रीमती समीता जी एवं समाज स्टाफ दिव्यांग उत्थान-छात्रावास एवं उनके अभिभावक द्वारा अपनी अपनी सहायता निवेशन अंत में समाज प्रचार्य द्वारा समाज आधार माना।

विदिशा
अध्यक्ष

राज्यल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)



विनिता धैर
 अध्यक्ष
 मधुन विनिता धैर उत्थान समिति
 विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

विश्व ब्रेल दिवस समारोह:

दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर विदिशा विशेष विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए ब्रेल के महत्व पर प्रकाश डाला और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर रोशनी डाली। वक्ताओं ने समुदाय से उनके मुख्यधारा में एकीकरण का समर्थन करने की अपील की।

कार्यक्रम इस आवश्यक संचार प्रणाली के दूरदर्शी निर्माता लुई ब्रेल को सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। सामाजिक न्याय और दिव्यांगजन विभाग के अधिकारियों, समर्पित फिजियोथेरेपिस्ट, प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ताओं, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, दिव्यांगजन स्वयं अपने परिवारों के साथ, सहित विशिष्ट अतिथियों ने सक्रिय रूप से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण ध्यान ब्रेल की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करना था, यह बताते हुए कि यह कैसे साक्षरता प्रदान करता है और दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान और अवसर की दुनिया खोलता है। वक्ताओं ने इस समुदाय द्वारा सामना की जा रही लगातार चुनौतियों को भी संबोधित किया, जिसमें अधिक सामाजिक जागरूकता और समर्थन की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया गया। व्यापक समुदाय से दृष्टिबाधित व्यक्तियों के समाज की मुख्यधारा में निर्बाध एकीकरण की दिशा में सक्रिय रूप से काम करने, जीवन के सभी पहलुओं में उनकी समान भागीदारी और समावेश सुनिश्चित करने की पुरजोर अपील की गई।

विजय पंजा
अध्यक्ष

राज्य दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)



1

8

January 10, 1999, 4:22 PM EST

कायस्थों को हिंसित कर दिया। १९०६ में कायस्थों का प्रथम बार विद्रोह हुआ।

पञ्चुल विद्यागङ्गा जलशायन समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

अंतर्राष्ट्रीय साइन लैंग्वेज दिवस मनाया गया

मध्य प्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग भोपाल के पालन में सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला विदिशा द्वारा राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति विदिशा के अंतर्गत दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास विशेष स्कूल कॉलेज जिला पुराना अस्पताल परिसर में कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता पर पुष्पमाला अर्पित कर अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा की कार्यशाला एवं अभिभावक प्रशिक्षण शिविर में सभी दिव्यांगता के छात्र-छात्राएं जिसमें की दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास उम्मीद शिक्षण समिति के सभी दिव्यांगताके छात्र-छात्र एवं समस्त स्टाफ के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला न्यायाधीश मसूद अहमद खान डीएसपी ज्योति शर्मा मेडिकल कॉलेज से ऑडियोलॉजिस्ट शिल्पी द्वारा मूक बधिर दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों एवं लोगों के सामाजिक मानसिक शैक्षणिकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया जिसमें सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं जिला दिव्यांग को पुनर्वास केंद्र के अधिकारी कर्मचारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के एम आर सी वगैरह ने भी साइन लैंग्वेज सांकेतिक भाषा पर प्रकाश डालते हुए शासन द्वारा दिव्यांगता के लिए चलाई जा रही जारी योजनाओं से अवगत कराया कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए स्वल्पहारप की व्यवस्था की गई कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारी कर्मचारी एवं दिव्यांग छात्र छात्राओं व उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया।

विमल
अध्यक्ष
राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला विदिशा के उपसंचालक द्वारा खेल परिसर



जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2
जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2
जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2



जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2
जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2
जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2

जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2
जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2
जिला विदुर ली नीति विदिशा आस-पास में 2

विनिग
अध्यक्ष
राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

आज दिनांक 4 जनवरी 2025 को सामाजिक न्याय अधिकारीत मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ट्रस्टनई दिल्ली के माध्यम से राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति के अंतर्गत संचालित दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास कॉलेज छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर में सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत बढ़ते कदम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन से प्रारंभ किया गया जिसमें की नेशनल ट्रस्ट की योजनाओं जिसमें मुख्य रूप से बढ़ते कदम निरामया लीगल गार्जियनशिप दिशा एवं नेशनल ट्रस्ट द्वारा चार दिव्यांग बताओ जिसमें मानसिक मंदितासेरेब्रल पालसी ऑटिज्म बहु विकलांग के ऊपर प्रकाश डाला गया जिस्म की डॉक्टर अनिल जैन डॉ आशीष जैन फिजियोथैरेपिस्ट वीर बहादुर जी सामाजिक न्याय विभाग से समग्र सुरक्षा विस्तार अधिकारी श्रीमती मालती जी श्रीमती नेहातनवर जी राहुल अहिरवार जी बसंत जी एवं संस्था प्रमुख अध्यक्ष समाजसेवी बंसी लाल जी खरबंदा श्रीमती समीक्षा की एवं समस्त स्टाफ दिव्यांग छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक द्वारा अपनी अपनी सहभागिता निभाई अंत में संस्था प्राचार्य द्वारा सबका आभार माना ।

विनिता जी
अध्यक्ष

छत्र दिव्यांगजन उत्थान समिति
दिल्ली (प.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें



National Trust Presents

बढ़ते कदम कार्यक्रम में आप सभी का हार्दिक स्वागत है

कार्यक्रम में भाग लें और जानें :

- National Trust की प्रमुख योजनाओं का लाभ कैसे उठाएं।
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समाज में समान अवसर और सम्मान कैसे सुनिश्चित करें।

आइए, हम साथ मिलकर दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को बेहतर और सहज बनाने के लिए एक कदम और बढ़ाएं।



राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति विदिशा

के अंतर्गत संचालित

दीक्षा निकेतन कॉलेज / छात्रावास

पुराना शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर, विदिशा

Email rajulvds2010@gmail.com

Website www.rajulviklangsamiti.com Mob. 8889829433

विनिमय
अध्यक्ष
राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

दैनिक
भास्कर

नागदा 28-11-2024

विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय ऑनलाइन स्नेह समावेशी भारत वित्त 2 दिसंबर तक 396 विजेताओं को 2,43,500 रुपए पुरस्कार राशि दी जाएगी

भास्कर समाददाता | नागदा

विश्व दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तर पर ऑनलाइन स्नेह इंक्लूसिव इंडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। लायंस की स्थायी परियोजना संस्था स्नेह के संस्थापक डॉ. फंकुज मारु ने बताया विद्यार्थियों में दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता और समावेशन को बढ़ाने के उद्देश्य से 25 नवंबर से आयोजित प्रतियोगिता 2 दिसंबर तक ऑनलाइन चलेगी। इसमें मध्यप्रदेश के शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। संस्थापक डॉ. मारु ने बताया प्रतियोगिता में पंजीकरण निःशुल्क है। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी का ऑनलाइन प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। प्रतियोगिता में जिला,

संभाग तथा राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार के रूप में विजेता को क्रमशः 1,000, 2,000 एवं 10,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में दो-दो विजेताओं को 500, 1,000 एवं 5,000 रुपए तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में तीन-तीन विजेताओं को 300, 500 एवं 3,000 रुपए प्रदान किए जाएंगे। राज्यभर के कुल 396 विद्यार्थियों को 2,43,500 रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। इसमें भाग लेने के लिए विद्यार्थी एचटीटीपी/स्नेह नागदा डाट ओआरजी/क्विज पर ऑनलाइन हिस्सा ले सकते हैं। प्रतियोगी को 300 सेकंड में बहुविकल्पीय 15 प्रश्नों के उत्तर देना होंगे। उन्हें दो लाइफ लाइन फिफ्टी-फिफ्टी एवं प्रश्न परिवर्तन की सुविधा होगी। कम समय लेने वाले प्रतिभागियों को बोनस अंक भी प्राप्त होंगे।

विनिर्णय

अध्यक्ष

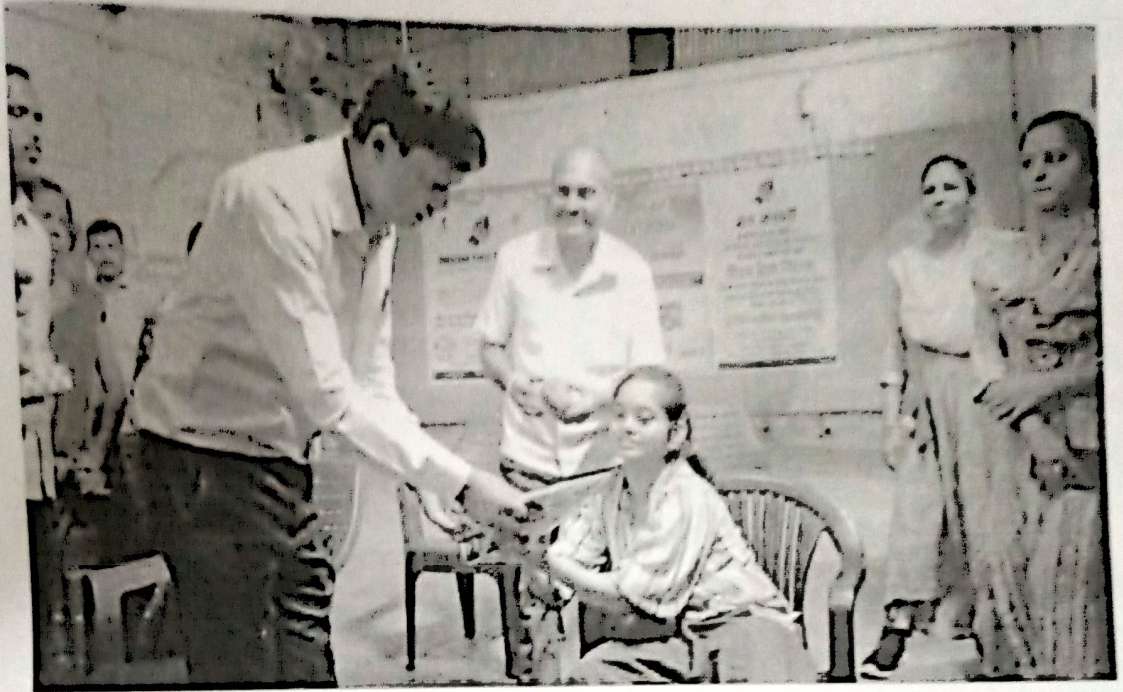
जुन दिव्यांगजन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

"बढ़ते कदम" जागरूकता कार्यक्रम: नेशनल ट्रस्ट, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित, दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास कॉलेज में इस कार्यक्रम का ध्यान नेशनल ट्रस्ट की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना था। जिन प्रमुख योजनाओं पर चर्चा हुई उनमें "बढ़ते कदम," "निरामया," "कानूनी अभिभावकत्व," और "दिशा" शामिल थीं। कार्यक्रम विशेष रूप से चार प्रकार की विकलांगताओं वाले व्यक्तियों की जरूरतों और चुनौतियों को संबोधित करता है: बौद्धिक विकलांगता, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म और बहु विकलांगता। विशेषज्ञों और अधिकारियों ने इन स्थितियों और उपलब्ध समर्थन प्रणालियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत ज्ञान और प्रगति के प्रतीक सरस्वती देवी को पारंपरिक अर्पण के साथ हुई। कार्यक्रम का एक केंद्रीय ध्यान नेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रस्तावित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित करना था। इनमें स्वयं "बढ़ते कदम," स्वास्थ्य बीमा पर केंद्रित "निरामया," कानूनी अधिकारों को संबोधित करने वाला "कानूनी अभिभावकत्व," और डे केयर केंद्रों के लिए सहायता प्रदान करने वाला "दिशा" शामिल थे। नेशनल ट्रस्ट द्वारा मान्यता प्राप्त विकलांगता की चार विशिष्ट श्रेणियों: बौद्धिक विकलांगता, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म और बहु विकलांगता पर विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। प्रतिष्ठित चिकित्सा पेशेवरों, जिनमें डॉ. अनिल जैन और डॉ. आशीष जैन शामिल थे, साथ ही फिजियोथेरेपिस्ट वीर बहादुर जी और सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों ने अपनी विशेषज्ञता साझा की। संस्थान के प्रमुख, समर्पित कर्मचारियों, दिव्यांग छात्रों और उनके सक्रिय अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम की सहयोगात्मक भावना को रेखांकित किया। कार्यक्रम ने इन स्थितियों और उपलब्ध महत्वपूर्ण समर्थन प्रणालियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी ढंग से काम किया, जिससे एक अधिक सूचित और सहानुभूतिपूर्ण समुदाय का निर्माण हुआ।

कार्यक्रम- मुख्य बार्ते



विदिशा फी
अध्यक्ष
विदिशा विकास समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

अंतर्राष्ट्रीय साइन लैंग्वेज दिवस मनाया गया

ज्युनो चीफ विपुल प्रजापत विदिशा। मध्य प्रदेश शासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भोपाल के पालन में



सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला विदिशा द्वारा राजुल दिव्यांगजन उद्धान समिति विदिशा के अंतर्गत दीक्षा निकेतन विशेष स्कूल कॉलेज जिला पुराना अस्पताल परिसर में कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता पर पुष्पमाला अर्पित कर अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा को कार्यशाला एवं अभिभावक प्रशिक्षण शिविर में सभी दिव्यांगता के छात्र-छात्राएं जिसमें की दीक्षा निकेतन स्कूल / छात्रावास सूरज निकेतन उम्मीद शिक्षण समिति के सभी दिव्यांगता के छात्र-छात्र एवं समस्त स्टाफ के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला न्यायाधीश मसूद अहमद खान डीएसपी ज्योति शर्मा मेडिकल कॉलेज से ऑडियोलॉजिस्ट शिल्पी द्वारा मूक बधिर दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों एवं लोगों के सामाजिक मानसिक शैक्षणिकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया जिसमें सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं जिला दिव्यांग को पुनर्वास केंद्र के अधिकारी कर्मचारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के एम आर सी बगैरह ने भी साइन लैंग्वेज सांकेतिक भाषा पर प्रकाश डालते हुए शासन द्वारा दिव्यांगता के लिए चलाई जा रही जारी योजनाओं से अवगत कराया कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए स्वल्पहारप की व्यवस्था की गई कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारी कर्मचारी एवं दिव्यांग छात्र छात्राओं व उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया।



04 जनवरी

वेब्रहीनों को ब्रेल लिपि का
वरदान देने वाले लुई ब्रेल की जयंती के
उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले

विश्व ब्रेल दिवस

जिला सक्षम विदिशा एवं दीक्षा निकेतन विशेष
स्कूल छात्रावास पुराना अस्पताल परिसर
विदिशा की ओर से

हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं

राजुल दिव्यांगजन उद्धान समिति विदिशा
के अंतर्गत संचालित

दीक्षा निकेतन कॉलेज / छात्रावास

पुराना शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर, विदिशा

Email: juprshs2014@gmail.com Website: www.juprshs@gmail.com Mob: 9889829433

विदिशा

अध्यक्ष

राजुल दिव्यांगजन उद्धान समिति

विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

सर्दियों के कपड़ों का वितरण:

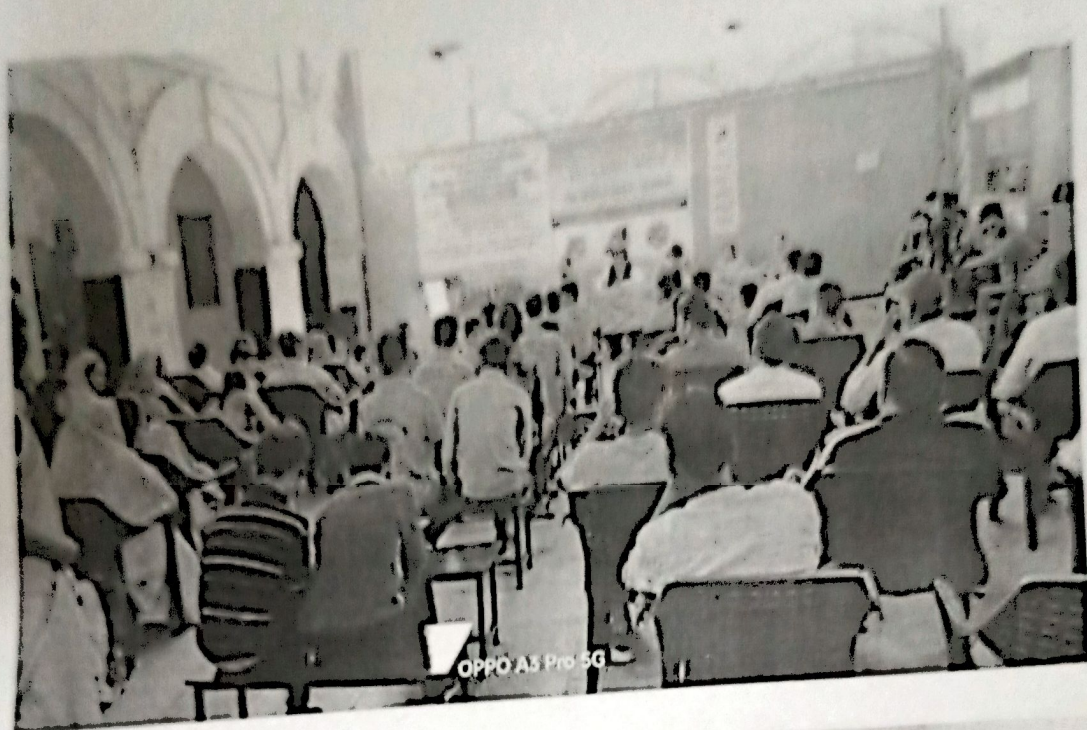
महिला जैन मिलन अरिहंत विहार ने दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/ छात्रावास छात्रावास में रहने वाले दिव्यांग बच्चों को गर्म इनरवियर प्रदान किए, जो सर्दियों के मौसम में उनके कल्याण के लिए सामुदायिक समर्थन और देखभाल का प्रत्यक्ष कार्य प्रदर्शित करता है।

यह उदारता का प्रत्यक्ष कार्य न केवल एक मूर्त आवश्यकता को संबोधित करता है, जिससे ठंड के महीनों के दौरान बच्चों के शारीरिक आराम और कल्याण सुनिश्चित होता है, बल्कि समावेश और समर्थन का एक शक्तिशाली संदेश भी देता है। महिला जैन मिलन की अध्यक्ष सीमा जैन की अपनी समूह के साथ उपस्थिति ने इस पहल के पीछे व्यक्तिगत प्रतिबद्धता और सामूहिक भावना को रेखांकित किया। यह सरल लेकिन महत्वपूर्ण इशारा मात्र भौतिक सहायता से कहीं अधिक है; यह अपनेपन की भावना को बढ़ावा देता है और समुदाय के सबसे कमजोर सदस्यों के पोषण और सुरक्षा में सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है, जिससे विदिशा के भीतर एक अधिक समावेशी और देखभाल करने वाला वातावरण बनता है।

विनिता
अध्यक्ष

समुदायिक उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें



विमिश्रा जी
अध्यक्ष
छत्रपति विवेकानंद उत्थान समिति
विमिश्रा (ग.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

आज, विदिशा शहर में, राजुल दिव्यांग उत्थान समिति विदिशा के तहत चलने वाले दीक्षा निकेतन स्पेशल स्कूल-कालेज/छात्रावास विशेष स्कूल के छात्रावास (जो पुराने अस्पताल के परिसर में स्थित है) में, महिला जैन मिलन अरिहंत विहार नामक एक महिला संगठन द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रावास में रहने वाले सभी दिव्यांग बच्चों को ठंड से बचाने के लिए अंदर पहनने वाले गर्म कपड़े (इनर) वितरित करना था। इस अवसर पर महिला जैन मिलन की अध्यक्ष, सीमा जैन, और उनके संगठन की सभी सदस्य मौजूद थीं।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रावास में रहने वाले दिव्यांग बच्चों को ठंड से बचाना था। इसके लिए उन्हें अंदर पहनने वाले गर्म कपड़े (इनर) वितरित किए गए। यह दर्शाता है कि संगठन बच्चों की ज़रूरतों के प्रति संवेदनशील है, खासकर सर्दियों के मौसम में।

स प्रकार के कार्य दिव्यांग बच्चों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। यह न केवल उन्हें भौतिक सहायता प्रदान करता है बल्कि उन्हें यह भी महसूस कराता है कि समुदाय उनकी परवाह करता है। यह समावेश और करुणा की भावना को बढ़ावा देता है।

विदिशा
मुख्य
राजुल दिव्यांग उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

विदुर की नीति

कलेक्टर ने वृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्धजनों को होलिका की शुभकामनाएं अभित्यक्त कर आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त किया

विदुर की नीति के अन्तर्गत वृद्धों को आशीर्वाद देना और उनकी समस्याओं का समाधान करना



विदुर की नीति के अन्तर्गत वृद्धों को आशीर्वाद देना और उनकी समस्याओं का समाधान करना



रहने हेतु भोजन सहित अन्य दैनिक दिनचर्या की पूर्ति हेतु किए गए प्रयत्नों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की है। उन्होंने रसोई काष्ठ के रोजनदान में वाली लगाने के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक को दिए हैं। कलेक्टर ने वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धजनों से

आश्वासन देकर उनकी दिनचर्या के बारे में पूछा कि क्या कोई समस्या है। उन्होंने वृद्धों के सामान्य तौर पर स्वास्थ्य-वृद्धि मिश्रण बताया कि उनकी समस्याओं से ही हमें स्पष्ट मिलकर होनी चाहिए। रसोई और भी वृद्धों को चाहिए सब उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने वृद्धजनों से आश्वासन दिया कि वे प्रसन्नचित्त भूत में रहकर स्वस्थ आनंदित हो और दूसरों को संतुष्ट दें। आश्रम की कीमती चीजें सारी ने भोजन-वस्त्र-वैद्य-वस्तु का साथ हमारा सुख का साथ वहीं वृद्धों की ने होरी पर वृद्धों की उम्र को बढ़ावा दिया। वृद्धाश्रम की सेवा देकर मुझे केसर जहां ने



वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं, वृद्धों के समस्याओं को संज्ञा किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के अधिकारी, रसोई और सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक, पंचायत क्षेत्र के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

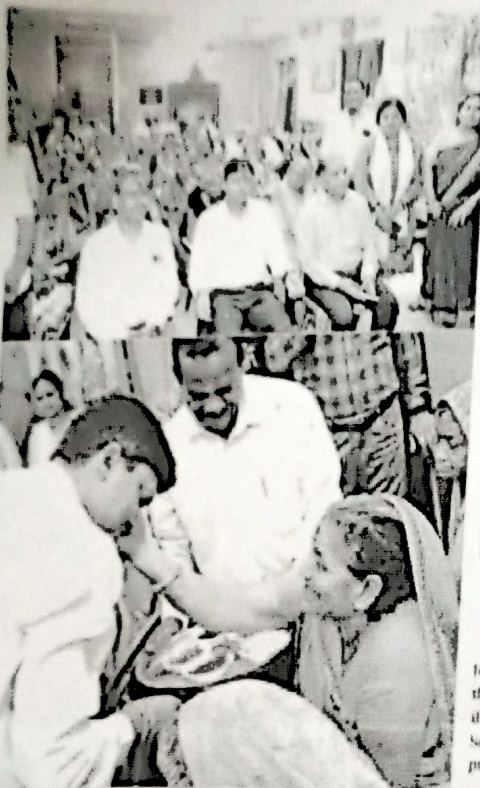
दक्षिण निकेतन विशेष स्कूल में पहुंचे

कलेक्टर रमन कुमार सिंह ने वृद्धाश्रम के बाद पुनः शासकीय जिला चिकित्सालय में संघालित दीक्षा निकेतन विशेष स्कूल के विद्यार्थियों से भी ह-व-स-स हुए हैं। वहां उन्होंने राजन विद्यालय पालक अभिभावक सहित सभी के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए मुद्देबाहरी जा रही सुविधाओं को संज्ञा किया। कलेक्टर ने दिव्यांग विद्यार्थियों से संवाद कर उनका कुशल धर्म जाना और अध्ययन कार्य की जानकारी प्राप्त की है। इस दौरान उन्होंने सभी बच्चों को उत्साह में मिश्रण के पीकट वितरित किए वही सुखान दीक्षा लगाने की नीति की अतिरिक्त शुभकामनाएं अभित्यक्त की है।

विनिमय
अध्यक्ष

उपसचालक जयान समिति
विदिशा (म.प्र.)

Colors of Togetherness, Showers of Affection – Collector Celebrates Holi with the Elderly



COLLECTOR CELEBRATES HOLI WITH ELDERLY RESIDENTS
SEEKS BLESSINGS
MEETS SPECIALLY ABLED CHILDREN, SPREADS JOY

The Cliff News • March 14, 2025

On the eve of Holi, Collector Mr. Roshan Kumar Singh visited Shri Hari Old Age Home in the city to meet the elderly residents and extend festive greetings. He applied gulal on the senior citizens, touched their feet for blessings, and distributed sweets among them.

Understanding Their Needs, Ensuring Better Facilities

The Collector engaged in a heartfelt conversation with the elderly about their daily lives and requirements. He instructed the Deputy Director of the Social Justice Department to install protective nets on the kitchen's verandahs to enhance safety and comfort.

Old Age Home Filled with Joy, Devotional Songs Echoed

The visit brought an atmosphere of happiness to the old age home. During the celebration, Mrs. Meena Soni sang the devotional song, "Jaiam Jaiam Ka Saath Hamara Tumhara," while the priest narrated tales of Holi celebra-

tion to the residents.

Collector Visits Diksha Niketan, Celebrates Holi with Specially-Abled Children

After visiting the old age home, Collector Mr. Roshan Kumar Singh proceeded to Diksha Niketan Special School, located in the old district hospital premises, where he interacted with specially-abled children. He inquired about their health and education, distributed sweets and gulal, and conveyed his best wishes for Holi.

A Thoughtful Initiative, A Festival for Everyone

The event was attended by the Additional CEO of the District Panchayat, Deputy Director of the Social Justice Department Mr. Parag Jain, and other officials. The Collector encouraged everyone to embrace life with joy and positivity. This Holi celebration turned into a memorable experience for both the elderly and specially-abled children, reflecting the administration's sensitivity and dedication towards the well-being of society.



Vidisha Collector celebrated Holi with the elderly at the old age home, applied gulal, touch blessings, and spread the colors of joy. This heartfelt Holi brought smiles to every face!

Collector's Visit Brings Joy to the Elderly and Specially-Abled Children

The compassionate initiative undertaken by Collector Mr. Roshan Kumar Singh on the occasion of Holi at the Old Age Home and Diksha Niketan Special School has sent a strong positive message to society. His efforts not only brought smiles to the faces of elderly residents and specially-abled children but also exemplified the administration's humane approach and sense of responsibility. Playing gulal with the elderly, seeking their blessings, and restoring their living conditions reflect the Collector's empathetic leadership. Similarly, his visit to the specially-abled children, where he inquired about their education and health, highlights the administration's dedicated commitment to social welfare.

The success of this initiative lies in the fact that it was not merely an official visit but a heartfelt humanitarian gesture that truly brought the joy of the festival to those in need. Collector Mr. Singh's efforts deserve immense appreciation, as they set an inspiring example of compassionate governance.



Roshan Kumar Singh
Collector, Vidisha

कार्यक्रम- मुख्य बातें



आयुष मंत्रालय द्वारा सम्मानित

विमला देवी
अध्यक्ष
चक्रवर्ती विद्यामन उत्थान समिति
विदिरा (म.प्र.)

कार्यक्रम- मुख्य बातें

DHOPAL

FRIDAY

14

March 2025

THE CLIFF NEWS

Colors of Togetherness, Showers of Affection – Collector Celebrates Holi with the Elderly



Vidisha Collector celebrated Holi with the elderly at the old age home, applied guld, took blessings, and spread the colors of joy. This heartfelt Holi brought smiles to every face!

● COLLECTOR CELEBRATES HOLI WITH ELDERLY RESIDENTS, SEEKS BLESSINGS
● MEETS SPECIALLY ABLED CHILDREN, SPREADS JOY

The Cliff News

On the eve of Holi, Collector Mr. Roshan Kumar Singh visited the Old Age Home in the city to wish the elderly residents and extend festive greetings. He applied guld on the senior citizens, touched their feet for blessings, and distributed sweets among them.

Understanding Their Needs, Ensuring Better Facilities

The Collector engaged in a heartfelt conversation with the elderly about their daily needs and requirements. He instructed the Deputy Director of the Social Justice Department to install protective mats on the kitchen's countertops to enhance safety and comfort.

Old Age Home Filled with Joy, Devotional Songs Echoed

The visit brought an atmosphere of happiness to the old age home. During the celebration, Mrs. Meenakshi sang the devotional song "Jai Ganesh Ka Saath Hamara Dardnaresh" while the priest narrated tales of Hindu deities.

Focus on Vulnerables

Collector Visits Diksha Niketan, Celebrates Holi with Specially Abled Children

After visiting the old age home, Collector Mr. Roshan Kumar Singh proceeded to Diksha Niketan Special School located in the old district hospital premises, where he interacted with specially abled children. He inquired about their health and education, distributed sweets and guld, and conveyed his best wishes for Holi.

A Thoughtful Initiative, A Festival for Everyone

The event was attended by the Additional CEO of the District Panchayat, Deputy Director of the Social Justice Department Mr. Pankaj Jolly, and other officials. The Collector encouraged everyone to embrace life with joy and positivity. This Holi celebration turned into a moment of experience for both the elderly and specially abled children, reflecting the administration's sensitivity and dedication towards the well-being of society.

THE CLIFF NEWS | VISIDHA | 14 MARCH 2025 | 10:30 AM

The compassionate initiative undertaken by Collector Mr. Roshan Kumar Singh on the occasion of Holi at the Old Age Home and Diksha Niketan Special School has sent a strong positive message to society. His efforts not only brought smiles to the faces of elderly residents and specially abled children but also exemplified the administration's humane approach and sense of responsibility. Paying guld to the elderly, seeking their blessings, and relieving their living conditions reflect the Collector's empathetic leadership. Similarly, his visit to the specially abled children, where he inquired about their education and health, highlights the administration's dedicated commitment to social welfare.

The success of this initiative lies in the fact that it was not merely an official visit but a heartfelt human connection that truly brought the joy of the festival to those in need. Collector Mr. Singh's efforts deserve immense appreciation, as they set an inspiring example of compassionate governance.



Roshan Kumar Singh
Collector, Vidisha

विनिर्वाचक
अध्यक्ष
बहुजन विकास समिति
विदिशा (म.प्र.)

विन्तीय परिव्यय

AASRA & COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PRABHAT BELL ROAD KANUNGI,
PATELJI GARDEN, VISHNUPUR, PO
KANUNGI, DIST. GATEWAY, GATEWAY, GATEWAY
K.A. NO. 5027922117

RAJUL VIRLANG PALAK ADHIBHAVAK UTTARAN SAMITI VIDISHA CONSOLIDATED RECEIPTS AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31/03/2024

RECEIPTS	AMOUNT	AMOUNT	PAYMENT	AMOUNT	AMOUNT
To Opening Balances		0.30	By Expenses		966000.00
Cash in Hand			By Amount Kirana		285000.00
Cash at Bank		963848.55	By Exp. Payable 22-23		2006.88
Central Bank of India 0173	942111.10		By Bank Charges		1383977.95
Jia Sahakar Bank 6160	1715.00		By Salary & Training Exp		35425.00
SBI Bank 7117	10022.45		By Stationary Exp.		965000.00
Cash at Bank 144	10000.00		By Training Exp.		54180.00
			By Medical Exp.		418150.00
			By Food Exp.		44371.00
		18838.00	By Repairing & Maintenance		363975.00
To Interest		304.00	By Exp. Payable		13000.00
SB Int.		18634.00	By Warch Men Salary		20000.00
FDR Interest			By Traveling Exp.		18500.00
			By Therapy Exp.		100000.00
To Donation & membership fees		26884.00	By Rent DPC Exp.		5000.00
Donation			By Office Exp.		30000.00
		4500030.00	By Miscellaneous Exp.		60000.00
To Grant		671500.00	By Indirect Exp.		5400.00
Grant Recd.		3022530.00	By Entertainment Exp.		60000.00
Grant Receipt 23-24		512000.00	By Electricity Exp.		5000.00
Grant Receipt 22-23			By Books & News Paper Exp.		7382.00
			By TDG		421636.00
To EOB					1575744.00
		288000.00	By Loan A/c		42270
To Loan A/c		5000.00	Sanjeev Jain		15000
Mastram		263000.00	Muhammad		385974
Sanjeev Jain		20000.00	Vimal Kumar		982500
Vinita Jain			Exp. Payable		40000
			Akshay Sharma		10000
			Diksha		170000
			Jayant Muley		20000
			Praveesh Sharma		30000
			Vinita Jain		491164.00
			By Cash & Bank Balance		20428.22
			Central Bank of India 0173		2377.00
			Jia Sahakar Bank 6160		53117.50
			SBI Bank 7117		20240.00
			SBI Bank 3887		5000.00
			SBI Bank 174		371676.00
			Cash at Bank 144		17903.30
			Cash in Hand		
TOTAL		6225536.65	TOTAL		6225536.65

As per our report of even date attached

Place: VIDISHA
Date: 28/06/2024

FOR: AASRA & COMPANY
Chartered Accountants
CA Randeep Kumar, Charan

विन्तीय
अध्यक्ष
राजुल विन्लयन उत्तरान समिति
विदिशा (म.प्र.)

वेत्तीय परिव्यय

AASRA & COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PRABHAT WALKER ROAD, CHANDIGARH
PUNJABI GARDEN, CHANDIGARH
CHANDIGARH-160002
M. NO. 9827321707

RAJUL VIKLANG PALAK ABHIDHAVAK UTTHAN SAMITI VIDISHA CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31/ 03/ 2024

EXPENDITURE	AMOUNT	AMOUNT	INCOME	AMOUNT	AMOUNT
To Bank Charges		2908.88	By Donation & membership fees		26884.00
To Salary & Training Exp		1383977.96	Donation	26884.00	
To Stationary Exp		35425.00			
To Training Exp		565000.00	By Interest		18936.00
To Medical Exp		54160.00	SB Int.	304.00	
To Food Exp		418150.00	FDR Interest	18634.00	
To Repairing & Maintenance		44271.00			
To Dep		19125.00	By Grant		2840476.00
To Watch Man Salary		13000.00	Grant Recvd.	0.00	
To Travelling Exp		20000.00	Grant Receipt 23-24	2667454.00	
To Therapy Exp		16500.00	Grant Receipt 22-23	173024.00	
To Rent DPG Exp		100000.00	Grant Receivable		4064000.00
To Office Exp		5000.00			
To Miserious Exp		30000.00			
To Indirect Exp		50000.00			
To Entertainment Exp		5400.00			
To Electricity Exp		65000.00			
To Books & News Paper Exp		5000.00			
To Food Expenses Payable		980000.00			
To Building Maintenance		80000.00			
To Student Stipend Payable		320000.00			
To Salary Payable		2630000.00			
To Contingencies		250000.00			
To Transport payable		180000.00			
To Excess of Income over Expenditure		51384.17			
TOTAL		7550300.00	TOTAL		7550300.00

Place: VIDISHA
Date: 26/06/2024

As per our report of even date attached

FOR: AASRA & COMPANY
Chartered Accountants

CA Sandeep Kumar Shah

विनिर्णय
अध्यक्ष
राजुल विक्लंग उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

वित्तीय परिव्यय

AASRA & COMPANY
CHARTERED ACCOUNTANTS

PRINCIPAL OFFICE: 101/102, 103/104
PLOT NO. 101/102, 103/104
C-101/102, 103/104
R.A.D. 9876543210

RAJUL VIKRANG PALAK ABH BHAVAR UTTHAN SAMITI VIDISHA CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31/03/2024

LIABILITIES	AMOUNT	AMOUNT	ASSETS	AMOUNT	AMOUNT
GENERAL FUND			Fixed Assets		594925.00
Opening Balance	1705840.10		Furniture	484925.00	
Add: Excess Of Expenditure -	51384.17		Fan	10000.00	
Add: Capital Addition	200388.90		Electric Equipments	100000.00	
Less: Capital Withdrawal	200388.90	-1744455.93	Machinery	127500.00	108375.00
		1465528.95	Dep	19125.00	
LOAN A/C			Advance & Deposits		220987.00
Vinita Jain	82120.85		Vimal Kumar	220987.00	
Anant Kirana	304000.00		Grant Receivable		
Sandeep Jain	809279.00		As on 01/04/2021	5130708.00	
Vimal Kumar Jain	50000.00		Less: Received During the y	3853812.00	
S.K. Jain	28829.00		Less: Grant Received but not	1276894.00	
Ritu Jain	500.00		Add Grant Receivable 22-23	4002000.00	
Pravesh Sharma	0.00		Less: Received During the y	971500.00	
Ramnihar Malviya	30000.00		Add Grant Receivable 23-24	4084000.00	7694500.00
Jayant Murey	0.00				
Akhay Sharma	50000.00				
Mastrom	15000.00				
		17437.00	Grant Receivable		0.00
SUNDRY CREDITORS			FDR		0.00
Other Creditors	0.00		TDS		45572.00
Anant Kirana	4066.00				
Hindustan Boot House	779.00				
Mha Tuli Barta Bhandar	1121.00				
Manover Furniture	990.00				
Nikhil Medico	9111.00				
Raj Mattress	800.00				
Vijay shree Vastralay	590.00				
		2013917.00	CASH & BANK BALANCE		491144.00
EXPENSES PAYABLE			Central Bank of India 0173	20428.22	
Expenses Payable 17-18	0.00		Jila Sahkari Bank 0160	2277.00	
Expenses Payable 18-19	0.00		SBI Bank 7117	53717.50	
Expenses Payable 19-20	0.00		SBI Bank 3887	20242.00	
Expenses Payable 20-21	1181173.00		SBI Bank 174	5000.00	
Expenses Payable 21-22	1432744.00		Cash at Bank 144	371576.00	
			Cash In Hand	17903.30	
Expenses Payable 22-23		1784000.00			
Expenses Payable 23-24		4084000.00			
Grant Refundable		355076.00			
Total		9155503.02	Total		9155503.02

Place: VIDISHA
Date: 28/06/2024

FOR: AASRA & COMPANY
Chartered Accountants

CA Sandeep Kumar Shah

विजय म
अध्यक्ष
राजुल विक्रम उत्थान समिति
बिदिशा (म.प्र.)

परिणाम

- दिव्यांगता अधिकारिता और बढ़ी हुई स्वतंत्रता: परियोजनाएँ अक्सर कौशल प्रशिक्षण, सहायक उपकरण और ऐसे संसाधन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं जो विकलांग व्यक्तियों को अधिक आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाती हैं। प्रतिक्रिया अक्सर आत्मविश्वास में वृद्धि और दैनिक कार्यों को करने की क्षमता को उजागर करती है।
- शिक्षा और रोजगार तक बेहतर पहुंच: कई संगठन समावेशी शैक्षिक वातावरण बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा नौकरी दिलाने में सहायता प्रदान करने के लिए काम करते हैं। सकारात्मक प्रतिक्रिया में पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चों या सार्थक रोजगार प्राप्त करने वाले वयस्कों की कहानियाँ शामिल हैं।
- बढ़ा हुआ सामाजिक समावेश और कम हुआ कलंक: जागरूकता कार्यक्रम और समुदाय-आधारित पहलें समाज में विकलांग व्यक्तियों की अधिक स्वीकृति और समावेश का कारण बन सकती हैं। प्रतिक्रिया में बढ़ी हुई सामाजिक भागीदारी और भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण में कमी का उल्लेख हो सकता है।
- बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण: कुछ संगठन चिकित्सा देखभाल, थेरेपी और सहायता सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनाते हैं, जिससे लाभार्थियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।
- परिवारों के लिए समर्थन: संगठन अक्सर विकलांग व्यक्तियों के परिवारों के लिए परामर्श, संसाधन और सहकर्मि सहायता नेटवर्क प्रदान करते हैं, जो चुनौतियों का प्रबंधन करने और कल्याण को बढ़ावा देने में अमूल्य हो सकता है। परिवारों से प्राप्त प्रतिक्रिया अक्सर प्राप्त भावनात्मक और व्यावहारिक समर्थन के लिए आभार व्यक्त करती है।
- अधिकारों और समावेश के लिए वकालत: कई संगठन स्थानीय और व्यापक स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के लिए नीतिगत बदलावों और अधिकारों की वकालत करने के लिए काम करते हैं। सकारात्मक परिणामों में अधिक समावेशी नीतियों का कार्यान्वयन और सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर पहुंच शामिल हो सकती है।

विनिता जी
अध्यक्ष

राज्य दिव्यांगजन उत्थान समिति
बिदिशा (म.प्र.)

भविष्य के लक्ष्य

- विस्तारित पहुंच और सेवाएं: समिति का लक्ष्य विदिशा क्षेत्र में या संभावित रूप से उससे परे अधिक संख्या में विकलांग व्यक्तियों तक अपनी सेवाओं का विस्तार करना हो सकता है।
- सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाना: एक सतत लक्ष्य अक्सर मौजूदा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और प्रभाव को बेहतर बनाना होता है। इसमें सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, कर्मचारियों को आगे प्रशिक्षण देना और थेरेपी, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में नई तकनीकों या दृष्टिकोणों को शामिल करना शामिल हो सकता है।
- अधिक समावेश को बढ़ावा देना: समिति संभवतः समुदाय में अधिक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में काम करती है। भविष्य के लक्ष्यों में विकलांग व्यक्तियों के लिए सुलभ बुनियादी ढांचे, समावेशी शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए बढ़ी हुई वकालत शामिल हो सकती है।
- आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूत करना: कई विकलांगता संगठन व्यक्तियों को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद करने को प्राथमिकता देते हैं। भविष्य के लक्ष्यों में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करना, नौकरी दिलाने में सुविधा प्रदान करना, विकलांग व्यक्तियों के बीच उद्यमिता का समर्थन करना और उन्हें प्रासंगिक सरकारी योजनाओं और वित्तीय संसाधनों से जोड़ना शामिल हो सकता है।

विदिशा
अध्यक्ष

चक्रवर्तिन उत्थान समिति
विदिशा (म.प्र.)

भविष्य के लक्ष्य

- सहायक उपकरणों और प्रौद्योगिकी तक पहुँच में सुधार: यह सुनिश्चित करना कि विकलांग व्यक्तियों के पास आवश्यक सहायता और उपकरण उपलब्ध हों, अत्यंत महत्वपूर्ण है। भविष्य के लक्ष्यों में व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग और अन्य सहायक प्रौद्योगिकियों के प्रावधान को सुगम बनाना, साथ ही उनके उपयोग पर प्रशिक्षण प्रदान करना शामिल हो सकता है।
- परिवारों और देखभाल करने वालों को सशक्त बनाना: परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, समिति विकलांग व्यक्तियों के माता-पिता और देखभाल करने वालों के लिए सहायता सेवाओं का विस्तार करने का लक्ष्य रख सकती है।
- विशिष्ट विकलांगता आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करना: अपनी विशेषज्ञता और स्थानीय संदर्भ के आधार पर, समिति के कुछ विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र में प्रचलित विकलांगता के विशेष प्रकारों से संबंधित हो सकते हैं, जैसे कि बौद्धिक विकलांगता, श्रवण हानि या लोकोमोटर विकलांगता।

विश्विका सिंह
अध्यक्ष
राष्ट्रीय विकलांगता अध्ययन समिति
विदिशा (म.प्र.)

निष्कर्ष

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति के रूप में, हम आज अपने प्रयासों का समापन एक नए उद्देश्य और आगे के मार्ग की गहरी समझ के साथ करते हैं। हमने विकलांग व्यक्तियों के लचीलेपन, प्रतिभा और अटूट भावना को प्रत्यक्ष रूप से देखा है। कौशल विकास कार्यशालाओं से लेकर जागरूकता अभियानों तक, हमारी पहलों ने प्रत्येक व्यक्ति के भीतर निहित क्षमता को उजागर किया है, चाहे उनकी चुनौतियाँ कुछ भी हों।

हालांकि, हमारा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। हम मानते हैं कि प्रणालीगत बाधाएँ और सामाजिक दृष्टिकोण अभी भी महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करते हैं। आगे बढ़ते हुए, हम समावेशी नीतियों, सुलभ बुनियादी ढांचे और शिक्षा, रोजगार और जीवन के सभी पहलुओं में समान अवसरों के लिए अपनी वकालत को तेज करने का संकल्प लेते हैं।

हम अपने समर्पित स्वयंसेवकों, हमारे उदार दानदाताओं और समुदाय के अटूट समर्थन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। यह इस सामूहिक प्रयास के माध्यम से ही है कि हम वास्तव में विकलांग व्यक्तियों को गरिमा, स्वतंत्रता और पूर्णता का जीवन जीने के लिए सशक्त बना सकते हैं। साथ मिलकर, हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना जारी रखेंगे जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को महत्व दिया जाता है, सम्मान दिया जाता है और आगे बढ़ने का अवसर दिया जाता है। एक सच्चे समावेशी भारत की ओर यात्रा के लिए निरंतर प्रतिबद्धता की आवश्यकता है, और राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति दिव्यांगजन समुदाय के अधिकारों और आकांक्षाओं का समर्थन करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है।

विनिता
अध्यक्ष

राजुल दिव्यांगजन उत्थान समिति
बिदिशा (म.प्र.)